सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा और शिक्षण के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई। शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जीवन भर अपने आप को एक शिक्षक के रूप में ही प्रस्तुत करते थे। उनके योगदान को याद करते हुए, शिक्षकों के सम्मान में मनाया जाने वाला यह दिन अपने आप में अनूठा है।

गुरु-शिष्य परंपरा से समृद्ध हमारी संस्कृति में शिक्षक को ईश्वर के समतुल्य माना गया है। विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार व जीवन मूल्य देकर शिक्षक राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे बच्चों में निरंतर सीखने की क्षमता का विकास कर उनके जीवन को एक सकारात्मक दिशा देते हैं।

बदलती परिस्थितियों में आज समय की मांग है कि विद्यार्थियों को तकनीक के साथ ही, भविष्य की जरूरतों के लिए सक्षम बनाया जाए। देश को अच्छे पेशेवर और उत्तम नागरिक मिल सकें, साथ ही भारत का टैलेंट भारत में ही रहकर आने वाली पीढ़ियों का विकास करे, इसके लिए हमारे शिक्षकों को निरंतर प्रयास करने की, स्वयं को भी रि-स्किल और अप-स्किल करने की आवश्यकता है।

देश की नई शिक्षा नीति भी रोज़गार व भविष्य की आवश्यकताओं पर केन्द्रित है, जो हमारे युवाओं को आधुनिक वैश्विक मूल्यों के अनुसार सक्षम बनाने में सहायक सिद्ध होगी। भारत के वर्तमान और भविष्य को बनाने का यह कार्य एक महायज्ञ की तरह है।

मुझे विश्वास है कि यह दिन देश भर के शिक्षकों को विद्यार्थियों की क्षमताओं में वृद्धि करते हुए उनके रचनात्मक व समग्र विकास हेतु प्रेरित करेगा। इस अवसर पर मैं सभी शिक्षकों को उनके योगदान के लिए नमन करता हूं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
भाद्रपद 11, शक संवत् 1942
02 सितंबर, 2020